



# Prince

17 Sep 2001

04:13 PM

Ludhiana

Model: web-freelalkitab

Order No: 121199610

## लाल किताब

बिमारी का बगैर दवाई भी इलाज है, मगर मौत का कोई इलाज नहीं।  
ज्योतिष दुनियाबी हिसाब-किताब है, कोई दावाए खुदाई नहीं।

लिंग \_\_\_\_\_: पुल्लिंग  
जन्म तिथि \_\_\_\_\_: 17/09/2001  
दिन \_\_\_\_\_: सोमवार  
जन्म समय \_\_\_\_\_: 16:13:00 घंटे  
इष्ट \_\_\_\_\_: 25:02:53 घटी  
स्थान \_\_\_\_\_: Ludhiana  
राज्य \_\_\_\_\_: Punjab  
देश \_\_\_\_\_: India

दादा का नाम \_\_\_\_\_:  
पिता का नाम \_\_\_\_\_:  
माता का नाम \_\_\_\_\_:  
जाति \_\_\_\_\_:  
गोत्र \_\_\_\_\_:

अक्षांश \_\_\_\_\_: 30:56:00 उत्तर  
रेखांश \_\_\_\_\_: 75:52:00 पूर्व  
मध्य रेखांश \_\_\_\_\_: 82:30:00 पूर्व  
स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_: -00:26:32 घंटे  
ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_: 00:00:00 घंटे  
स्थानिक समय \_\_\_\_\_: 15:46:28 घंटे  
वेलान्तर \_\_\_\_\_: 00:05:27 घंटे  
साम्पातिक काल \_\_\_\_\_: 15:32:13 घंटे  
सूर्योदय \_\_\_\_\_: 06:11:50 घंटे  
सूर्यास्त \_\_\_\_\_: 18:29:43 घंटे  
दिनमान \_\_\_\_\_: 12:17:53 घंटे  
सूर्य स्थिति(अयन) \_\_\_\_\_: दक्षिणायन  
सूर्य स्थिति(गोल) \_\_\_\_\_: उत्तर  
ऋतु \_\_\_\_\_: शरद  
सूर्य के अंश \_\_\_\_\_: 00:43:59 कन्या  
लग्न के अंश \_\_\_\_\_: 15:35:05 मकर

चैत्रादि संवत / शक \_\_\_\_\_: 2058 / 1923  
मास \_\_\_\_\_: आश्विन  
पक्ष \_\_\_\_\_: कृष्ण  
सूर्योदय कालीन तिथि \_\_\_\_\_: 15  
तिथि समाप्ति काल \_\_\_\_\_: 15:57:24  
जन्म तिथि \_\_\_\_\_: 1  
सूर्योदय कालीन नक्षत्र \_\_\_\_\_: पू०फाल्गुनी  
नक्षत्र समाप्ति काल \_\_\_\_\_: 09:33:34 घंटे  
जन्म नक्षत्र \_\_\_\_\_: उ०फाल्गुनी  
सूर्योदय कालीन योग \_\_\_\_\_: शुभ  
योग समाप्ति काल \_\_\_\_\_: 23:42:45 घंटे  
जन्म योग \_\_\_\_\_: शुभ  
सूर्योदय कालीन करण \_\_\_\_\_: नाग  
करण समाप्ति काल \_\_\_\_\_: 15:57:24 घंटे  
जन्म करण \_\_\_\_\_: किंस्तुघ्न  
भयात \_\_\_\_\_: 16:38:34  
भभोग \_\_\_\_\_: 52:43:11  
भोग्य दशा काल \_\_\_\_\_: सूर्य 4 वर्ष 1 मा 6 दि

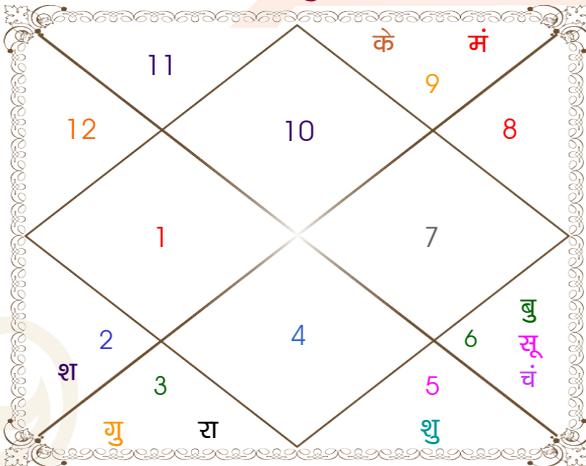
## ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	राशि	अंश	स्थिति	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
लग्न	मकर	15:35:05	---	--	--	--	नेक
सूर्य	कन्या	00:43:59	सम राशि	--	--	--	नेक
चन्द्र	कन्या	00:53:14	मित्र राशि	--	--	--	नेक
मंगल	धनु	10:45:55	मित्र राशि	--	--	--	मन्दा
बुध	कन्या	27:06:32	स्वराशि	--	--	--	मन्दा
गुरु	मिथुन	18:32:19	शत्रु राशि	--	हाँ	--	मन्दा
शुक्र	सिंह	01:41:28	शत्रु राशि	--	--	--	मन्दा
शनि	वृष	21:00:35	मित्र राशि	--	--	--	मन्दा
राहु	व मिथुन	08:42:01	उच्च राशि	--	हाँ	--	मन्दा
केतु	व धनु	08:42:01	उच्च राशि	--	--	--	मन्दा

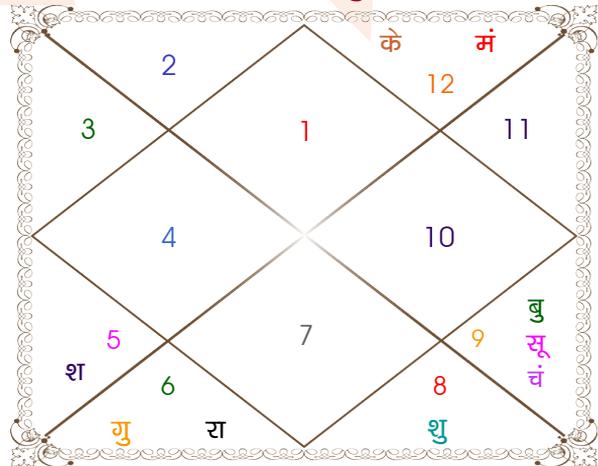
### भाव स्थिति

खाना नं.	मालिक	पक्का घर	किस्मत जगानेवाला	सोया	उच्च	नीच
1	मंगल	सूर्य	मंगल	हाँ	सूर्य	शनि
2	शुक्र	गुरु	चंद्र	--	चंद्र	--
3	बुध	मंगल	बुध	हाँ	राहु	केतु
4	चंद्र	चंद्र	चंद्र	हाँ	गुरु	मंगल
5	सूर्य	गुरु	सूर्य	--	--	--
6	बुध	बुध,केतु	केतु	--	बुध,राहु	शुक्र,केतु
7	शुक्र	शुक्र,बुध	शुक्र	हाँ	शनि	सूर्य
8	मंगल	मंगल,शनि	चंद्र	--	--	चंद्र
9	गुरु	गुरु	शनि	--	केतु	राहु
10	शनि	शनि	शनि	हाँ	मंगल	गुरु
11	शनि	शनि	गुरु	हाँ	--	--
12	गुरु	गुरु,राहु	राहु	--	शुक्र,केतु	बुध,राहु

### लग्न कुंडली



### लालकिताब कुंडली



## लाल किताब ग्रह फल

### सूर्य

आपकी जन्मकुंडली में नौवें खाने में सूर्य है। इसकी वजह से आप भाग्यवान होंगे। आपको उत्तम वाहन सुख मिलेगा। बड़े परिवार से युक्त रहेंगे। आप परोपकारी होंगे। आप अपनी सात पुश्यों को तारने वाले होंगे। आप अपने खानदान के लिए पूरा जीवन न्यौछावर कर देंगे। 22वें वर्ष में आपके जीवन पर अच्छा प्रभाव पड़ेगा। माता-पिता की कृपा से राजदरबार में इज्जत मिलेगी। तीर्थ यात्रा करने से आपके जीवन पर अच्छा असर पड़ेगा। आपके परंपरागत काम या सरकारी ठेकेदारी के धंधे से लाभ होगा। आपको माता-पिता का अच्छा सुख मिलेगा। आपकी बचपन में परवरिश खानदानी ढंग तथा सुख साधन से होगी। आप खानदान के लिए त्याग करेंगे और आप परोपकारी होंगे। आप पोते-पड़पोते के जन्म की खुशियां देखेंगे। पैसे की तंगी नहीं रहेगी। आप दूसरों की बीमारी दूर करने में मदद करेंगे। आपके पिता को सरकार पक्ष से लाभ होगा। बहुत बड़े परिवार को पालने का जिम्मा आप पर हो सकता है। धार्मिक कार्यों से तरक्की और कीर्ति मिलेगी। स्वपराक्रम से अपनी किस्मत का सितारा चमकायेंगे। सरकारी विभाग में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा, राजा या राजा तुल्य जीवन होगा, नौकरी-व्यापार में लाभ होगा।

यदि आपकी रसोई में उल्टे या बहुत समय से पुराने खाली बर्तन पड़े रहे, मकान का मुख्य दरवाजा पश्चिम दिशा में हुआ, भाई-बहन से झगड़ा किया तो आपका सूर्य मंदा हो सकता है या किसी कारण वश सूर्य मंदा हो गया हो तो सूर्य के मंदे असर से स्वभाव अति उग्र या अति नम्र स्वभाव रहने से सर्वस्व खोना पड़ सकता है। गिफ्ट/मुफ्त का माल या दान खाने से हर तरफ हानि होगी, यात्रा में कष्ट होगा, बहन-भाई द्वारा विरोध और किस्मत का बुरा असर शुरु हो जायेगा। कई बार आपको नेकी का बदला बुराई में मिल सकता है और जिसके साथ आप संबंध रखेंगे उसी की हानि होगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. मुफ्त या दान के माल से दूर रहें।
2. बहुत नर्म या बहुत गर्म स्वभाव न रखें।

उपाय :

1. पीतल के बर्तनों का प्रयोग करें।
2. सूर्य ग्रहण के समय 4 सूखे नारियल जल में प्रवाहित करें।

### चन्द्र

आपकी जन्मकुंडली में नौवें खाने में चंद्रमा पड़ा है। इसकी वजह से आप दुःखियों के हमदर्द, समाज में आदरणीय, पैतृक जायदाद मिलेगी और उससे अधिक लाभ होगा। हर

प्रकार से जीवन उत्तम बीतेगा। आपके जीवन के 24वें वर्ष में चंद्रमा का अच्छा फल मिलेगा। आप घूमने-फिरने के शौकीन होंगे। तीर्थयात्रा भी करेंगे। आपका स्वभाव सरल, संगीत में रुचि रखने वाले, धार्मिक और कुशल कार्यकर्ता होंगे। आप गणित विद्या के माहिर होंगे। आप धर्म का पालन करेंगे। आपको अच्छी संतान का सुख नसीब होगा। आपके धन-दौलत में बरकत होगी। 34 वर्ष की आयु के बाद साधारण लेकिन 48 वर्ष की आयु के बाद आर्थिक हालात अच्छी हो जाएगी। आप विदेश का सफर करेंगे। दान-धर्म के कार्यों में पूरी दिलचस्पी रखेंगे। पिता के प्रति अच्छा व्यवहार रहेगा। पिता का पूरा सुख नसीब होगा। कभी-कभी आपसे गलत काम हो सकते हैं इसका विशेष ध्यान रखें। स्वभाव से साधू तथा व्यवहार में नम्र होंगे। यदि सिंह बन कर रहना चाहें तो उथल-पुथल होती रहेगी। आपके लिए नम्र बन कर रहना ही शुभकारक है। आप जीवन में तरक्की की चोटी तक पहुंच जाएंगे।

यदि आपने धार्मिक कार्यों के विरुद्ध कार्य किया या धर्म के नाम पर चंदा मांगा, माता को कष्ट दिया या माता का विरोध किया तो आपका चंद्रमा मंदा हो सकता है या किसी कारण वश चंद्रमा मंदा हो गया हो तो चंद्रमा के मंदे असर से आपकी अक्ल धोखा देगी, आपका छोटा दिल होगा और आवारा घूमने से हानि होगी। चांदी-पानी-चावल आदि सफेद वस्तुओं का कार्य हानि देगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. परस्त्री से अनैतिक संबंध न रखें।
2. झूठ-झूठ से दूर रहें।

उपाय :

1. तीर्थ यात्रा करें या धार्मिक कार्य करें।
2. चंद्र ग्रहण के समय 4 सूखे नारियल जल प्रवाह करें।